INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	
Question Bank	Topic: बस की यात्रा **(हरिशंकर परसाई)**	Note: Pls. write in your Hindi note book

प्रश्नोत्तर

प्र॰1-"मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।"लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर -लेखक के मन में हिस्सेदार के प्रति श्रद्धाभाव इसलिए जगी क्योंकि वह खटारा बस चलवा रहा था,थोड़े से पैसे बचाने के चक्कर में बस का टायर नहीं बदलवा रहा था और अपने साथ-साथ यात्रियों की जान भी जोखिम में डाल रहा था इसलिए लेखक ने श्रद्धाभाव कह कर उस पर व्यंग्य किया है।

प्र॰2 "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर- लोगों ने लेखक को शाम वाली बस से सफर न करने की सलाह दी क्योंकि उस बस का कोई भरोसा नहीं था कि वह कब और कहाँ रूक जाए| उसकी हालत जीर्ण-शीर्ण थी।यदि रात में वह कहीं खराब हो गई तो परेशानी होगी।लोगों ने इस बस की तुलना डाकिन (चुड़ैल) से की ।

प्र॰3 "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।" लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर-जब बस का इंजन स्टार्ट हुआ तब पूरी बस झनझनाने लगी। खिड़कियों के शीशे हिलने लगे| बहुत ज़ोर से आवाज आने लगी तब लेखक को ऐसा लगा कि पूरी बस ही इंजन है।मानो वह बस के भीतर न बैठकर इंजन के भीतर बैठा हो।

प्र॰4 "गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।" लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उत्तर- लेखक को बस की टूटी-फूटी स्थिति देखकर लगा कि बस नहीं चल पाएगी परंतु जब लेखक ने बस के हिस्सेदार से पूछा तो उसने कहा कि चलेगी ही नहीं बल्कि अपने आप चलेगी।एक तो खटारा बस दूसरे अपने-आप चलेगी|यह सुनकर लेखक को हैरानी हुई।

प्र॰5 "मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।"लेखक पेड़ों को दुश्मन क्यों समझ रहा था?

उत्तर-लेखक को पेड़ों से डर लग रहा था क्योंकि उसकी बस किसी पेड़ से टकरा सकती थी।एक पेड़ निकल जाने पर वह दूसरे पेड़ का इंतज़ार करता था कि बस कहीं इस पेड़ से न टकरा जाए।यही कारण था कि लेखक को हर पेड़ दुश्मन लग रहा था।

6) डॉक्टर मित्र ने क्या सालह दी?

उत्तर :- डॉक्टर मित्र ने सलाह दी कि, "डरो मत, चलो! बस अनुभवी है| नयी-नवेली बसों से ज्यादा विश्वसनीय है| हमें बेटों की तरह प्यार से गोद में लेकर जाएगी|"

7) लेखक के मतानुसार लेखक को छोड़ने के लिए आए लोगों की आँखें क्या कह रही थीं?

उत्तर :- लेखक के मतानुसार लेखक को छोड़ने के लिए आए लोगों की आँखें मानो कह रही थीं- "आना-जाना तो लगा ही रहता है| आया है, सो जाएगा-राजा, रंक, फकीर| आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए|"

अति लघु प्रश्न-

प्र 1- लेखक ने कितने मित्रों के साथ बस की यात्रा की थी?

उ- लेखक ने चार मित्रों के साथ बस की यात्रा की थी|

प्र 2- लोगों ने बस की तुलना किससे की थी?

उ- लोगों ने बस की तुलना डाकिन से की थी|

प्र3-लेखक ने बस को किसके योग्य बताया था?

उ- लेखक ने बस को पूजा के योग्य बताया था|

प्र 4-लेखक किसे अपना दुश्मन समझ रहा था?

उ- लेखक पेड़ों को अपना दुश्मन समझ रहा था|

5) लेखक को बस तक जो लोग छोड़ने आए थे वे किस तरह देख रहे थे?

उ- लेखक को बस तक जो लोग छोड़ने आए थे वे इस तरह देख रहे थे जैसे कि वे अंतिम विदा दे रहे हों ।

6) **बस में बैठने के बाद लेखक किससे बचने की बात कर रहे थे?**

उ- बस में बैठने के बाद लेखक बस की खिड़की पर बचे हुए काँच से बचने की बात कर रहे थे|

7) **एकाएक बस क्यों रुकी थी?**

उ- बस की पेट्रोल टंकी में छेद होने के कारण बस रुकी थी|

==